एन०सी०सी० महानिदेशक द्वारा कार्डों की छपाई

3147. **श्री अनंतराम जायसवाल :**

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि एन०सी०सी० के महानिदेशक ने कैलैण्डर छपवाये जाने के बारे में मंत्रालय की निषेधाज्ञा का उल्लंघन करके वर्ष 1991 के लिए 15 रुपए प्रति कैलेण्डर की दर से कैलेण्डर छपवाए ;

(ख) क्या यह सच है कि ऊपर उल्लिखित कैलेण्डरों तथा अन्य मुद्रण सामग्री छापने का ठेका एन०सी०सी० के महानिदेशक के कार्यालय में कार्यरत एक ऐसे अधिकारी की कंपनी को दिया गया था जोकि स्वयं ही उक्त सामग्री को छपवाने के लिए जिम्मेदार है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि एन०सी०सी० के सहायक प्रचार प्रभारी को जिन्होंने उपयुक्त ठेका दिलवाने में सहायता की, उक्त विभाग की भर्ती नीति का उल्लंघन करके पिछले पांच वर्षों से निरन्तर दिल्ली में ही नियुक्त करके रखा गया है ; और

(घ) क्या सरकार इस पूरे मामले की जांच करवाने तथा दोषी अधिकारियों को दंड देने का विचार रखती है ?

रक्षा मंत्री (श्री शरद पवार): (क) राष्ट्रीय कैडेट कोर महानिदेशक ने नवम्बर-दिसम्बर, 1990 में 4.30 रुपए प्रति फोल्डर की दर से फोल्डर प्रकाशित कराए, जो प्रचार सामग्री के रूप में 91 ग्रुप मुख्यालय एवं 756 राष्ट्रीय कैडेट कोर, गणतंत्र दिवस कैम्प, 1991 में आमंत्रित व्यक्तियों और अन्य व्यक्तियों में वितरित किए जाने थे। इसके अतिरिक्त 6.50 रुपये प्रति पैकेट की दर से 2100 जैकेटें छपवाई गई जिनमें राष्ट्रीय कैडेट कोर फोल्डर अन्य प्रचार सामग्री के साथ वितरित किया जा सकता था । इस फोल्डर में राष्ट्रीय कैडेट कोर के उद्देश्यों और लक्ष्यों, संगठनात्मक ढांचे और महत्वपूर्ण कार्य-कलापों का विवरण दिया गया है । इस फोल्डर के पिछले हिस्से को तारीख पैड/कलडर छापने के लिए इस्तेमाल किया गया था ।

(ख) और (घ) निविदा संबंधी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद राष्ट्रीय कैडेट कोर फोल्डर की उपयुक्त जैकेटें बनाने और पत्रिकाओं की छपाई के लिए ठेका दिसम्बर, 1990 में मैसर्स एडवांटेज एडवरटाईजिंग एंड प्रमोशन्स, नई दिल्ली को दिया गया था । राष्ट्रीय कैडेट कोर में उस समय कार्यरत किसी भी अधिकारी की पत्नी का उक्त फर्म से कोई संबंध नहीं था । मौजूदा अपर महानिदेशक (ए) के राष्ट्रीय कैडेट कोर महानिदेशालय के मुख्यालय में पदभार ग्रहण करने के बाद "कैडेट" पत्रिका की छपाई का एक और ठेका मसर्स रैमसन प्रिंटर्स को दिया गया जिसमें उनकी पत्नी का कुछ हित निहित है । इस फर्म को छपाई का कार्य सौंपे बिना ही उक्त पत्रिका की छपाई का आर्डर रद्द कर दिया गया है ।

उपर्युक्त कार्रवाई से संतुष्ट न होने पर, सरकार ने उक्त मामले में जांच किए जाने के आदेश दे दिए हैं ।

(ग) महानिदेशक राष्ट्रीय कैडेट कोर मुख्यालय के प्रचार अनुभाग के प्रभारी अधिकारियों में से एक अधिकारी राष्ट्रीय कैडेट कोर का पूर्णकालिक अधिकारी है । 3 वर्ष के सामान्य कार्यकाल की तुलना में उन्होंने अपनी मौजूदा नियुक्ति पर 4 1/2 वर्ष पूरे कर लिए हैं । उक्त अधिकारी के कार्याकाल में वृद्धि करना प्रचार माध्यमों से संपर्क सहित कार्य की विशेष प्रकृति के कारण जरूरी हो गया था । राष्ट्रीय कैडेट कोर के महानिदेशक को निदेश दिया गया है कि उक्त अफसर को वर्ष 1992 के आरम्भ में स्थानांतरण कर दिया जाए ।